

JK

Roll No. \_\_\_\_\_

Question Booklet Number

O.M.R. Serial No. :

--	--	--	--	--	--	--	--

--

## M.A. IV Semester (NEP) Examination, 2025-26

### SANSKRIT

#### नाटक एवं नाट्य साहित्य

Paper Code							
A	0	2	1	0	0	1	T

Question Booklet Series

**B**

Time : 1 : 30 Hours ]

[ Maximum Marks : 75

#### Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. **All** questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.
4. Four alternative answers are mentioned for each question as – A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

(Remaining instructions on the last page)

#### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गये हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।
4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर- A, B, C तथा D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छँटना है। उत्तर को OMR उत्तर-पत्रक में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

(शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

**Rough Work**  
रफ़ कार्य

1. त्रिपताक मुद्रा का प्रयोग किसमें किया जाता है :
  - (A) अपवारित में
  - (B) जनान्तिक में
  - (C) आकाशभाषित में
  - (D) कोई नहीं
2. सन्ध्यगा की कुल संख्या कितनी है (दशरूपककार के अनुसार) :
  - (A) 62
  - (B) 66
  - (C) 64
  - (D) 60
3. रत्नावली के रचनाकार है :
  - (A) भवभूति
  - (B) कालिदास
  - (C) विशाखदत्त
  - (D) श्री हर्षदेव
4. श्रीहर्ष के आश्रयदाता कौन थे :
  - (A) हर्ष
  - (B) समुद्रगुप्त
  - (C) यशोवर्मा
  - (D) अशोक
5. नागानंद रूपक के रचयिता है :
  - (A) कालिदास
  - (B) श्रीहर्ष
  - (C) भवभूति
  - (D) बाणभट्ट
6. रत्नावली किस राज्य की राजकुमारी है :
  - (A) कुन्तल
  - (B) सिंहल
  - (C) अमरावती
  - (D) वत्स
7. रत्नावली की कथा का मूलस्रोत है :
  - (A) वृहत्कथा
  - (B) रामायण
  - (C) कथासरित्सागर
  - (D) महाभारत
8. विक्रमबाहु राजा की पुत्री का नाम है :
  - (A) वासवदत्ता
  - (B) सागरिका
  - (C) सुसंगता
  - (D) रत्नावली

9. उदयन का प्रधानमंत्री है :
- (A) यौगन्धरायण  
(B) वसुभूति  
(C) वाभ्रत्य  
(D) विजयवर्मा
10. रत्नावली के प्रथम अंक का नाम है।
- (A) कदलीगृह  
(B) संकेत  
(C) मदनमहोत्सव  
(D) एन्द्रजालिक
11. रत्नावली में कामदेव का पूजन किस वृक्ष के नीचे स्थापित किया गया।
- (A) आम्र  
(B) वट  
(C) अशोक  
(D) पीपल
12. रत्नावली के किस अंक का नाम संकेत है।
- (A) प्रथम  
(B) द्वितीय  
(C) तृतीय  
(D) चतुर्थ
13. उद्यद्विद्रुमकान्तिभिः किसलयैस्त्राग्रां' इसमें किस उद्यान के वैशिष्ट्य का वर्णन है-
- (A) मदन उद्यान  
(B) अशोक उद्यान  
(C) वसन्त उद्यान  
(D) मकरन्द उद्यान
14. द्वितीय अंक (रत्नावली के) में किस पात्र का प्रवेश होता है-
- (A) सुसंगता  
(B) मदनिका  
(C) सागरिका  
(D) वासवदत्ता
15. रत्नावली द्वारा उदयन का चित्र कहाँ पर बनाया गया -
- (A) महल में  
(B) उद्यान में  
(C) कदली गृह में  
(D) सरोवर तट पर
16. विक्रमबाहु सिंहलाधिपति के मंत्री का क्या नाम है-
- (A) वाभ्रत्य  
(B) यौगन्धरायण  
(C) उदयन  
(D) वसुभूति

17. रत्नावली के चतुर्थांक में सुसंगता क्या लेकर प्रवेश करती है-
- (A) पुष्प  
(B) रत्नमाला  
(C) सारिका  
(D) कोई नहीं
18. एन्द्रजालिक का वर्णन है-
- (A) नागानंद में  
(B) रत्नावली में  
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम् में  
(D) उत्तररामचरितम् में
19. रत्नावली में भरतवाक्य का वक्ता है-
- (A) यौगन्धरायण  
(B) विजय वर्मा  
(C) वसुभूति  
(D) उदयन
20. रामायण में राम और सीता का वृत्तान्त है-
- (A) प्रासंगिक  
(B) पताका  
(C) आधिकारिक  
(D) प्रकरी
21. 'उद्दामोत्कलिकां विपाण्डुररुचं' कथन किसका है-
- (A) उदयन  
(B) यौगन्धरायण  
(C) वासवदत्ता  
(D) सागरिका
22. 'रक्तलोकः शुचिर्वाग्मी रूढवंशः स्थिरो युवा' परिभाषा है-
- (A) नायिका की  
(B) प्रतिनायक की  
(C) नायक की  
(D) सहनायिका की
23. उदयन किस वाद्य यंत्र में निपुण है-
- (A) बांसुरी  
(B) शंख  
(C) मृदंग  
(D) वीणा
24. सागरिका किस प्रकार की नायिका है-
- (A) मुग्धा  
(B) खंडिता  
(C) प्रौढ़ा  
(D) स्वाधीनपतिका

25. सागरिका की सखी का क्या नाम है-
- (A) वासवदत्ता  
(B) सुसंगता  
(C) वसुन्धरा  
(D) मदनिका
26. रत्नावली के द्वितीय अंक में सागरिका की किस अवस्था का वर्णन है-
- (A) विरहावस्था  
(B) शोकावस्था  
(C) मदनावस्था  
(D) कोई नहीं
27. ऐन्द्रजालिक कहाँ का निवासी था-
- (A) उज्जयिनी  
(B) सिंहल  
(C) कौशाम्बी  
(D) कोई नहीं
28. प्रहसन रूपक का मुख्य उद्देश्य है-
- (A) युद्ध वर्णन  
(B) प्रेम कथा  
(C) नीति शिक्षा  
(D) हास्य एवं सामाजिक व्यंग्य
29. दशरूपक के अनुसार नाट्य में विभाव क्या कार्य करता है-
- (A) भाव उत्पन्न करने का कारण बनना  
(B) पात्र हटाना  
(C) संवाद को सूक्ष्म करना  
(D) मंच सज्जित करना
30. संचारी भाव किसे कहते हैं-
- (A) स्थायी भाव  
(B) क्षणिक सहायक भाव  
(C) स्थिर भाव  
(D) हास्य भाव
31. दशरूपक के अनुसार नाट्य का सर्वोच्च लक्ष्य क्या है-
- (A) धनार्जन  
(B) धार्मिक  
(C) राजनैतिक  
(D) रसानुभूति
32. नाट्य में सूत्रधार का कार्य क्या है-
- (A) युद्ध करना  
(B) प्रस्तुति का संचालन एवं भूमिका देना  
(C) वेशभूषा बनाना  
(D) संगीत प्रस्तुत करना

33. नाट्य में आंगिक अभिनय से तात्पर्य है-
- (A) संगीत  
(B) वाणी  
(C) शारीरिक हाव भाव  
(D) वस्त्र
34. दशरूपक में रूपक का अर्थ है-
- (A) अलंकार  
(B) छन्द  
(C) नाट्य रूप  
(D) कथा
35. विभाव के कितने प्रकार माने गए हैं।
- (A) एक  
(B) दो  
(C) तीन  
(D) चार
36. 'विकारस्तु भावसंसूचनात्मक': क्या है-
- (A) अनुभाव  
(B) स्थायी भाव  
(C) विभाव  
(D) कोई नहीं
37. आलम्बन एवं उद्दीपन क्या हैं-
- (A) अनुभाव  
(B) स्थायी भाव  
(C) भाव  
(D) विभाव
38. दशरूपककार में सात्विक भाव कितने स्वीकार किये हैं-
- (A) छः  
(B) नौ  
(C) आठ  
(D) दस
39. व्यभिचारी भावों की संख्या है-
- (A) 30  
(B) 32  
(C) 33  
(D) 35
40. शम नामक स्थायी भाव का प्रकर्ष है
- (A) शान्त रस  
(B) शृंगार रस  
(C) वीर रस  
(D) अद्भुत रस
41. कार्यावस्थाएं कितनी हैं-
- (A) चार  
(B) पाँच  
(C) छः  
(D) तीन
42. पताका का उदाहरण है-
- (A) सुग्रीव की कथा  
(B) जटायु की कथा  
(C) श्रवण की कथा  
(D) कोई नहीं

43. गुणाख्यानं विलोभनम् किस संधि का अंग है-
- (A) मुख संधि  
(B) अवमर्श  
(C) प्रतिमुख संधि  
(D) निर्वहण
44. रत्नावली का विदूषक है-
- (A) माधव्य  
(B) मैत्रेय  
(C) माणवक  
(D) वसंतक
45. नाटिका रत्नावली में मदनोत्सव किस अंक में वर्णित है-
- (A) प्रथम अंक  
(B) द्वितीय अंक  
(C) तृतीय अंक  
(D) चतुर्थ अंक
46. रत्नावली का शाब्दिक अर्थ है-
- (A) रत्नों की खान  
(B) समुद्र की पुत्री  
(C) रत्नों की माला  
(D) सुन्दर स्त्री
47. राजा उदयन की राजधानी का नाम है-
- (A) उज्जयनी  
(B) कौशाम्बी  
(C) पाटलिपुत्र  
(D) प्रयाग
48. वासवदत्ता की परिचारिका का क्या नाम है-
- (A) कंचनमाला  
(B) सुसंगता  
(C) निपुणिका  
(D) मदनिका
49. सागरिका के पास कौन सा पक्षी था-
- (A) तोता (शुक)  
(B) मोर  
(C) सारिका  
(D) कबूतर
50. द्वैपायन (द्वीप से आया हुआ) शब्द प्रयोग रत्नावली में किसके लिये संकेत देता है-
- (A) उदयन  
(B) यौगन्धरायण  
(C) रत्नावली  
(D) वसंतक

51. दशरूपक किसकी रचना है :

- (A) धनिक
- (B) धनञ्जय
- (C) भरतमुनि
- (D) वाल्मीकि

52. दशरूपक की वृत्ति किसने की है :

- (A) धनञ्जय
- (B) धनिक
- (C) मम्मट
- (D) भरतमुनि

53. दशरूपक किसमें विभक्त है :

- (A) प्रकाश
- (B) उल्लास
- (C) परिच्छेद
- (D) अध्याय

54. दशरूपक की रचना है :

- (A) गद्यमय
- (B) चम्पू
- (C) पद्यमय
- (D) कोई नहीं

55. दशरूपक में सर्वाधिक प्रयुक्त छन्द है :

- (A) अनुष्टुप
- (B) इन्द्रवज्रा
- (C) उपेन्द्रवज्रा
- (D) कोई नहीं

56. 'विभावानुभाव व्यभिचारिसंयोगाद् रसनिष्पत्तिः' यह सिद्धान्त किसका है :

- (A) धनञ्जय
- (B) अभिनवगुप्त
- (C) रूद्रट
- (D) भरतमुनि

57. दशरूपक के प्रारम्भ में किस देवता की स्तुति है :

- (A) गणेश
- (B) लक्ष्मी
- (C) विष्णु
- (D) शिव

58. अभिनय कितने प्रकार का है :

- (A) 3
- (B) 2
- (C) 4
- (D) 5

59. रूपकों के कितने भेद हैं :

- (A) 10
- (B) 8
- (C) 9
- (D) 12

60. नृत्त किस पर आश्रित है :

- (A) भाव
- (B) रूप
- (C) ताल
- (D) कोई नहीं

61. रूपकों के भेदक तत्वों की संख्या क्या है :

- (A) 4
- (B) 2
- (C) 3
- (D) 5

62. इतिवृत्त का फल कितने वर्ग का है :

- (A) त्रिवर्ग
- (B) चतुर्वर्ग
- (C) द्विवर्ग
- (D) एकल

63. दशरूपककार के अनुसार फल प्राप्ति के साधन हैं :

- (A) कार्यावस्थाएँ
- (B) संधियाँ
- (C) अर्थप्रकृतियाँ
- (D) अर्थोपक्षेपक

64. 'बीजबिन्दु पताकाख्यप्रकरीकार्य लक्षणः' किससे सम्बद्ध है :

- (A) अवस्थाओं से
- (B) नायक से
- (C) संधियों से
- (D) अर्थप्रकृतियों से

65. 'बीज समुत्पत्तिर्नानार्थरससम्भवा' किस संधि का लक्षण है :

- (A) मुख
- (B) प्रतिमुख
- (C) गर्भ
- (D) अवमर्श

66. प्रतिमुख संधि के कितने अंग हैं :

- (A) 12
- (B) 13
- (C) 14
- (D) 11

67. प्रतिमुख संधि में वर्णसंहार क्या है :
- (A) रंगों का एकत्र होना  
 (B) संहार होना  
 (C) वर्णों का एकत्रित होना  
 (D) कोई नहीं
68. पताका किस संधि का अंग है :
- (A) मुख  
 (B) प्रतिमुख  
 (C) निर्वहण  
 (D) गर्भ संधि
69. अवमर्श संधि बनती है :
- (A) प्रकरी + नियताप्ति  
 (B) बिन्दु + प्रयत्न  
 (C) कार्य + फलागम  
 (D) बीज + प्रारम्भ
70. सन्ध्यङ्गों के प्रयोजन कितने हैं :
- (A) 4  
 (B) 5  
 (C) 6  
 (D) 7
71. अन्तर्जवनिकासंस्थैश् ..... अर्थस्य सूचना।  
 रिक्त स्थान में क्या होगा :
- (A) प्रवेशक  
 (B) चूलिका  
 (C) विषकम्भक  
 (D) अंक
72. नाट्य धर्म की दृष्टि से वस्तु के कितने भेद हैं :
- (A) 4  
 (B) 5  
 (C) 3  
 (D) 2
73. किसी के भी न सुनने योग्य वस्तु को क्या कहा जाता है :
- (A) नियत  
 (B) प्रकाश  
 (C) सर्वश्राव्य  
 (D) स्वगत
74. दशरूपककार के अनुसार नायक के कितने भेद हैं :
- (A) चार  
 (B) पाँच  
 (C) तीन  
 (D) दो
75. 'सामान्यगुणयुक्तस्तु धीरशान्तो द्विजादिक' किस नायक का वैशिष्ट्य है :
- (A) धीरोदात्त  
 (B) धीरललित  
 (C) धीरशान्त  
 (D) धीरोद्धत

76. 'रावण' किस प्रकार का नायक है :

- (A) धीरोद्धत
- (B) धीरशान्त
- (C) धीरललित
- (D) धीरोदात्त

77. उदयन किस श्रेणी का नायक है :

- (A) धीरोदात्त
- (B) धीरललित
- (C) धीरोद्धत
- (D) धीरशान्त

78. पताका का नायक है :

- (A) पीठमर्द
- (B) विदूषक
- (C) विट
- (D) कोई नहीं

79. सन्धि कितनी होती है।

- (A) 6
- (B) 4
- (C) 5
- (D) 3

80. एक नायिका वाला नायक कहलाता है :

- (A) राठ
- (B) अनुकूल
- (C) दक्षिण
- (D) धृष्ट

81. नायिकाओं की कितनी अवस्थाएँ हैं :

- (A) 8
- (B) 10
- (C) 6
- (D) 12

82. कौन सी वृत्ति वाचिक व्यापार रूप है :

- (A) भारती
- (B) कैशकी
- (C) आरभटी
- (D) सात्वती

83. 'गीतनृत्यविलासाधैर्मृदुः किस वृत्ति का लक्षण है :

- (A) आरभटी
- (B) भारती
- (C) सात्वती
- (D) कैशकी

84. सात्वती वृत्ति में किस रस का संबंध है :

- (A) शृंगार
- (B) वीर
- (C) रौद्र
- (D) वीभत्स

85. नाटक में न्यूनतम अंकों की संख्या है :

- (A) 4
- (B) 6
- (C) 5
- (D) 7

86. मृच्छकटिकम किस प्रकार का रूप है?

- (A) प्रकरण
- (B) वीथी
- (C) भाग
- (D) ईहामृग

87. रत्नावली का नायक है :

- (A) धीरललित
- (B) धीरोदात्त
- (C) धीरशान्त
- (D) धीरोद्धत

88. स्त्री पात्रों का बाहुल्य होता है :

- (A) प्रकरण में
- (B) ईहामृग में
- (C) नाटिका में
- (D) वीथी में

89. रत्नावली में कौन सी वृत्ति का प्रमुख प्रयोग है :

- (A) भारती
- (B) कैशिकी
- (C) आरभटी
- (D) सात्वती

90. धूर्त चरित का वर्णन किस रूपक में होता है :

- (A) भाण
- (B) अंक
- (C) प्रकरण
- (D) वीथी

91. 'लीलामधुकर' किस प्रकार का रूपक है :

- (A) अंक
- (B) प्रहसन
- (C) प्रकरण
- (D) भाग

92. शुद्ध प्रहसन का उदाहरण है :

- (A) लीलामधुकर
- (B) कन्दर्पकेलि
- (C) धूर्तचरितम्
- (D) रत्नावली

93. किस रूपक में कैशिकी वृत्ति का प्रयोग नहीं होता है :

- (A) ईहामृग
- (B) प्रकरण
- (C) भाग
- (D) वीथी

94. जामदग्न्यजय किस प्रकार का रूपक है :

- (A) भाग
- (B) ईहामृग
- (C) व्यायोग
- (D) प्रकरण

95. समुद्रमन्थन नामक समवकार का प्रमुख रस कौन सा है :

- (A) शृंगार
- (B) वीर
- (C) विप्रलम्भ
- (D) रौद्र

96. इन्दुलेखा नामक रूपक की प्रमुख वृत्ति है :

- (A) कैशिकी
- (B) सात्वती
- (C) आरभटी
- (D) भारती

97. स्त्रियों के विलाप से युक्त रूपक का क्या नाम है :

- (A) ईहामृग
- (B) भाण
- (C) प्रहसन
- (D) उत्सृष्टिकाङ्क

98. धनंजय द्वारा नाट्य का लक्षण है :

- (A) नटस्य कर्म नाट्यं
- (B) अवस्थानुकृतिर्नाट्यं
- (C) अनुकरणं नाट्यं
- (D) नाट्यं भिन्नरुचे

99. 'देवी तत्र भवेज्जयेष्ठा प्रगल्भा नृपवंशजा' यहाँ तत्र शब्द किसका सूचक है :

- (A) नाटिका का
- (B) भाग का
- (C) प्रकरण का
- (D) ईहामृग का

100. आकाशभाषित में कितने पात्र होते हैं :

- (A) एक
- (B) चार
- (C) दो
- (D) तीन

**Rough Work**  
रफ़ कार्य

**Example :**

Question :

- Q. 1     A         C     D
- Q. 2     A     B         D
- Q. 3     A         C     D

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.
6. All answers are to be given on OMR Answer Sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.
7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.
8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.
9. There will be no negative marking.
10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.
11. To bring and use of log-book, calculator, pager & cellular phone in examination hall is prohibited.
12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

**Impt. On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is any discrepancy in the question booklet, then after showing it to the invigilator, get another question booklet of the same series.**

**उदाहरण :**

प्रश्न :

- प्रश्न 1     A         C     D
- प्रश्न 2     A     B         D
- प्रश्न 3     A         C     D

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।
6. सभी उत्तर केवल ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।
7. ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।
9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।
10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।
11. परीक्षा कक्ष में लॉग-बुक, कैल्कुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।
12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

**महत्वपूर्ण :** प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।